



# UKPSC – JE

Uttarakhand Public Service Commission (UKPSC)

Volume - 1

(Non Technical)

General Hindi and English



# INDEX

S No.	Chapter Title	Page No.
1	वर्णमाला	1
2	वर्तनी शुद्धि	5
3	उपसर्ग	10
4	प्रत्यय	14
5	संधि	19
6	समास	31
7	संज्ञा	41
8	सर्वनाम	43
9	विशेषण	45
10	क्रिया	48
11	लिंग	51
12	वचन	56
13	तत्सम व तद्भव शब्द	59
14	वाक्य एवं वाक्य प्रकार	64
15	वाक्य रचना	69
16	विराम चिन्ह	73
17	लोकोक्तियाँ	76
18	मुहावरे	83
19	वाक्य के एक शब्द	91
20	विलोम शब्द	99
21	पर्यायवाची शब्द	105
22	अपठित गद्यांश	110
23	Noun	115

# INDEX

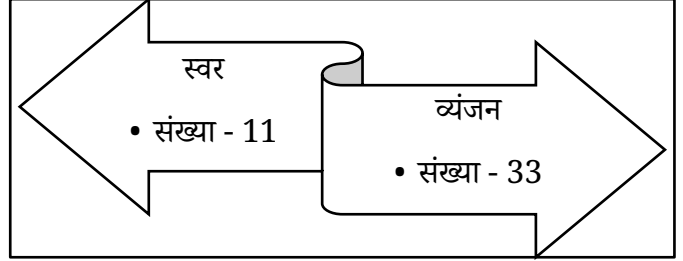
S No.	Chapter Title	Page No.
24	Pronoun	123
25	Adjective	128
26	Verbs	134
27	Adverbs	142
28	Articles	148
29	Preposition	152
30	Conjunction	157
31	Tense	162
32	Voices	168
33	Narration	174
34	Subject Verb Agreement	181
35	Spelling Correction	185
36	One Word Substitution	189
37	Antonyms & Synonyms	196
38	Idioms with their meaning and uses in sentence	208
39	Homonyms	219
40	Phrasal Verb	223
41	Non – Finite Verbs	228
42	Fill in the blanks	233
43	Shuffling of Sentences and Words	240
44	Comprehension	253

# 1 CHAPTER

## वर्णमाला



- किसी भाषा की सबसे छोटी इकाई जिसे छोटे भागों में और न तोड़ा जा सकता हो, ध्वनि कहलाती है, ध्वनि को वर्ण कहा जाता है। **वर्णों के व्यवस्थित समूह को वर्णमाला** कहा जाता है।
- हिंदी वर्णमाला में मूलतः कुल 44 वर्ण होते हैं जिन्हें 2 भागों में विभक्त गया है।



### क्या आप जानते हैं?

वर्णों को लेकर विद्वान एकमत नहीं हैं। वर्णों की संख्या कहीं 52 तो कहीं 44 मानी गयी है। सरकारी वर्णमाला में इ, ढ, श्र को स्थान नहीं दिया गया है, अतः वहाँ कुल वर्णों की संख्या  $53-3 = 49$  ही मानी गयी है।  
सर्वमान्य मत - 44 वर्ण हैं। (11 स्वर तथा 33 व्यंजन)



### वर्णों का वर्गीकरण

- **श्वास वायु के आधार पर**
  - अनुनासिक** – अनुनासिक वर्णों की ध्वनि में श्वास वायु मुख के साथ नाक से बाहर निकलती है। अनुनासिक वर्णों में चन्द्रबिंदु का प्रयोग किया जाता है। जैसे – अँ, ईँ, प्रत्येक वर्ग का पाँचवाँ वर्ण।
  - अल्प प्राण** – ऐसे वर्ण जिनका उच्चारण करते समय वायु का कम प्रवाह होता है, अल्प प्राण कहलाते हैं। प्रत्येक वर्ग का 1, 3 व 5 वाँ वर्ण।
  - महाप्राण** – ऐसे वर्ण जिनका उच्चारण करते समय अधिक वायु का प्रवाह होता है, महाप्राण कहलाते हैं। प्रत्येक वर्ग का दूसरा व चौथा वर्ण।
- **स्वर तंत्रों की स्थिति व कम्पन के आधार पर**
  - घोष/सघोष :-** घोष का शाब्दिक अर्थ है नाद या गूँज। जिन वर्णों का उच्चारण करते समय स्वर तंत्र में कंपन (गूँज उत्पन्न होना) होता है, उन्हें घोष वर्ण कहते हैं।  
**घोष वर्णों की पहचान** - सभी वर्णों के अन्तिम तीन वर्ण घोष वर्ण कहलाते हैं। इसके अतिरिक्त सभी स्वर भी घोष वर्ण होते हैं। इनकी कुल संख्या तीस है।
  - अघोष :-** जिन वर्णों के उच्चारण में प्राणवायु में कम्पन नहीं होता अतः कोई गूँज उत्पन्न नहीं होती वे वर्ण अघोष वर्ण कहलाते हैं।  
**अघोष वर्णों की पहचान** - सभी वर्णों के पहले और दूसरे वर्ण अघोष वर्ण होते हैं, इनकी संख्या तेरह है।

### स्वर

- ऐसी ध्वनियाँ अथवा वर्ण जिनका उच्चारण करने में अन्य किसी ध्वनि की सहायता की आवश्यकता नहीं होती, उन्हें स्वर कहते हैं।
- स्वर स्वतंत्र एवं पूर्ण होते हैं। **स्वर 11 होते हैं** - अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ, ऋ।

अ, इ, उ, ऋ  
मूल स्वर ← स्वर के प्रकार -2 → संधि स्वर  
आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ

- **इन्हें मूलतः 3 भागों में बांटा जा सकता है।**
  - ह्रस्व स्वर** - जिन स्वरों के उच्चारण में अपेक्षाकृत कम समय लगे उन्हें ह्रस्व स्वर कहा जाता है। इन्हें मूल स्वर भी कहा जाता है। जैसे - अ, इ, उ।
  - दीर्घ स्वर** - जिन स्वरों को बोलने में अधिक समय लगे उन्हें दीर्घ स्वर कहते हैं। इन्हें मात्रा द्वारा भी दर्शाया जाता है। ये दो स्वरों को मिला कर बनते हैं अतः इन्हें संयुक्त स्वर भी कहा जाता है। जैसे – आ, ई, ऊ।
  - प्लुत स्वर** – जिन स्वरों के उच्चारण में दीर्घ सवा से भी अधिक समय लगता है वे प्लुत स्वर कहलाते हैं।

➤ **जिह्वा के आधार पर स्वर**

- (i) **अग्र स्वर** –स्वर जिसमे जीभ का अग्र भाग प्रयोग में आता है। - इ, ई, ए, ऐ
- (ii) **मध्य स्वर** – जिसमे जीभ का मध्य भाग प्रयोग में आता है। - अ
- (iii) **पश्चस्वर** – जिसमे जीभ का पश्च भाग प्रयोग में आता है। - आ, उ, ऊ, ओ, औ

वर्ण	उच्चारण स्थान
अ, आ	कंठ
इ, ई	तालु
ऋ	मूर्धा
उ, ऊ	ओष्ठ
ए, ऐ	कंठ + तालव्य
ओ, औ	कंठ + ओष्ठ

**महत्वपूर्ण तथ्य -**

- प्लुत स्वर वर्गीकरण का सर्वप्रथम साक्ष्य पाणिनि की अष्टाध्यायी रचना में मिलता है।
- दीर्घ स्वर को संयुक्त स्वर के नाम से जाना जाता है क्योंकि दीर्घ स्वरों की रचना प्रायः दोनों स्वरों के मिलने से होती है

- सात दीर्घ स्वरों को भी दो भागों समानाक्षर स्वर, संधि स्वर के रूप में विभाजित किया जाता है

**समानाक्षर स्वर**

- ✓ आ – अ + अ
- ✓ ई – इ + इ
- ✓ ऊ – उ + उ

**संधि स्वर**

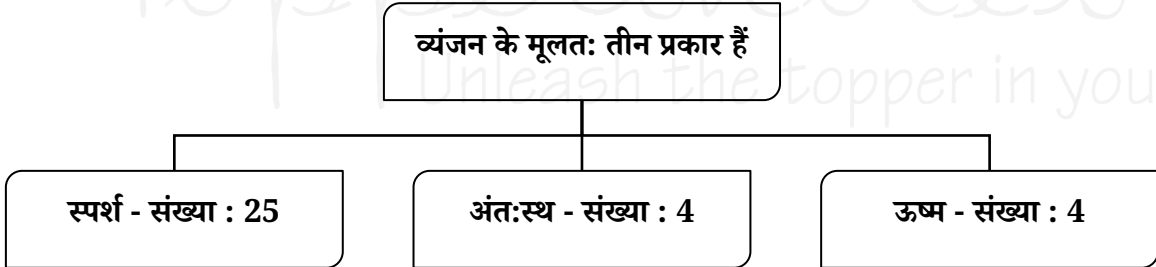
- ✓ ए – अ + इ
- ✓ ऐ – अ + ए
- ✓ औ – अ + ओ

- अंग्रेज़ी से गृहित स्वर – ऑ (डॉक्टर, कॉलेज)

**व्यंजन**

- स्वरों की सहायता से बोली जाने वाली ध्वनियों को ही व्यंजन कहा जाता है।
- जब हम क बोलते हैं तब उसमें क् + अ मिला होता है। इसी प्रकार प्रत्येक व्यंजन स्वर की सहायता से ही बोला जाता है।
- व्यंजन अस्वतंत्र एवं अपूर्ण होते हैं।
- व्यंजन को **मूलतः 3 भागों** में बांटा जा सकता है।

**व्यंजन के मूलतः तीन प्रकार हैं**



**उच्चारण के आधार पर व्यंजनों को आठ भागों में बांटा गया है है:**

1. **स्पर्शी** : ऐसे व्यंजन जिनके उच्चारण में फेफड़ों सद्द्वारा छोड़ी गयी वाली हवा वाग्यंत्र के किसी अवयव का स्पर्श करके बाहर निकलती है, स्पर्शी व्यंजन कहलाते हैं। जैसे – क् ख् ग् घ् ङ् ट् ठ ड् ढ् त् थ् ध् प् फ् ब् भ्
2. **संघर्षी** : ऐसे व्यंजन जिनके उच्चारण में दो उच्चारण अवयव इतनी निकटता पर आ जाते हैं कि बीच का मार्ग छोटा हो जाता है तब वायु उनसे घर्षण/संघर्ष करती हुई बाहर निकलती है, संघर्षी व्यंजन कहलाते हैं। जैसे - श, ष, स्र, ह, ख, ज, फ्

3. **स्पर्श संघर्षी** : ऐसे व्यंजन जिनके उच्चारण में स्पर्श का समय अपेक्षाकृत अधिक होता है और उच्चारण के बाद वाला भाग संघर्षी हो जाता है, वे स्पर्श संघर्षी व्यंजन कहलाते हैं। जैसे - च्, छ, ज्, झ्।
4. **नासिक्य** : जिनके उच्चारण में हवा का प्रमुख अंश नाक से निकलता है। जैसे - ङ्, ज्ञ, ण, न, म्।
5. **पार्श्विक** : जिनके उच्चारण में जिह्वा का अगला भाग मसूड़े को छूता है और वायु पार्श्व आस-पास से निकल जाती है, वे पार्श्विक हैं - जैसे - 'ल्'।

6. **प्रकम्पित** : ऐसे व्यंजन जिनके उच्चारण में जिह्वा दो-तीन बार कंपन करती है, वे प्रकम्पित व्यंजन कहलाते हैं। जैसे- 'र'

7. **उत्क्षिप्त** : जिन व्यंजनों के उच्चारण में जिह्वा की नोक झटके से ऊपर उठकर नीचे गिरती है तो वह उत्क्षिप्त ध्वनि कहलाती है। जैसे - ड, ढ

8. **संघर्ष हीन** : जिन ध्वनियों के उच्चारण में हवा बिना किसी संघर्ष या अवरोध के बाहर निकलती है वे संघर्षहीन ध्वनियाँ कहलाती हैं। जैसे-य, व। इनके उच्चारण में स्वरों से मिलता जुलता प्रयत्न करना पड़ता है, इसलिए इन्हें अर्धस्वर भी कहते हैं।

वर्ग	स्पर्श वर्ण					उच्चारण स्थान
क वर्ग	क	ख	ग	घ	ङ	कंठ
च वर्ग	च	छ	ज	झ	ञ	तालु
ट वर्ग	ट	ठ	ड	ढ	ण	मूर्धा
त वर्ग	त	थ	द	ध	न	दंत
प वर्ग	प	फ	ब	भ	म	ओष्ठ
प्राण	अल्पप्राण	महाप्राण	अल्पप्राण	महाप्राण	अल्पप्राण	
	अघोष	अघोष	सघोष	सघोष	सघोष	घोष

व्यंजन प्रकार	वर्ण	उच्चारण स्थान
अंतःस्थ व्यंजन	य	तालु
	र	दंत
	ल	दंत
	व	दंत + ओष्ठ
ऊष्म व्यंजन	श	तालु
	ष	मूर्धा
	स	दंत
	ह	कंठ

### संयुक्त व्यंजन

➤ हिन्दी में तीन संयुक्त व्यंजन होते हैं। ये दो व्यंजनों के मेल से बने होते हैं।

क्ष = क् + ष्
त्र = त् + र् + अ
ज्ञ = ज् + ज्ञ् + अ
श्र = श् + र् + अ

### अयोगवाह

- वे वर्ण जो न तो स्वर होते हैं और न ही व्यंजन होते हैं उन्हें अयोगवाह (अं अः) कहा जाता है।
- अं को अनुस्वार (नाक), अँ को अनुनासिक (नाक मुख) और अः को विसर्ग (कंठ) कहा जाता है।

### वर्णों का उच्चारण स्थान

क्र. सं.	वर्ण	उच्चारण स्थान	उच्चारण ध्वनि
1	क वर्ग, अ, आ और विसर्ग	कंठ कोमल तालु	कंठ्य
2	च वर्ग, इ, ई, य, श	तालु	तालव्य
3	ट वर्ग, ऋ, र, ष	मूर्धा	मूर्धन्य
4	त वर्ग, लृ, ल, स	दन्त	दन्त्य
5	प वर्ग, उ, ऊ,	ओष्ठ	ओष्ठ्य
6	अ, इ, ज, ण, न्, म्	नासिका	नासिक्य
7	ए ऐ	कंठ तालु	कंठ - तालव्य
8	ओ, औ	कंठ ओष्ठ	कठोष्ठ्य
9	व	दन्त ओष्ठ	दन्तोष्ठ्य
10	ह	स्वर यन्त्र	अलिजिह्वा

### महत्वपूर्ण तथ्य -

- हिंदी वर्णमाला में कुछ व्यंजन शब्दों के नीचे नुक्ता (बिंदु) का प्रयोग किया जाता है जिन्हें आगत / गृहीत व्यंजन कहा जाता है।

- आगत व्यंजनों की कुल संख्या 05 होती है
  - क – क़रीब
  - ख – ख़राब
  - ग – ग़म
  - ज़ – ज़रा
  - फ़ – फ़न (अंग्रेज़ी)
- नुक्ता / आगत व्यंजनों का आगमन अरबी/फ़ारसी, अंग्रेज़ी भाषा से हुआ है।
- नुक्ता व्यंजन की शुरुआत का श्रेय हिंदी विद्वान “विप्रसाद सितारे हिन्द” को जाता है।

#### परीक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण तथ्य

- हिंदी वर्णमाला में अं (अनुस्वार), अः (विसर्ग) ध्वनियाँ हैं को अयोगवाह वर्ण कहा जाता है क्योंकि इन वर्णों को न तो स्वर में जोड़ा जाता है न ही व्यंजन में
- अनुस्वार (अं) व विसर्ग (अः) को अयोगवाह नाम देने का श्रेय किशोरी दास वाजपेयी को जाता है
- तालु उच्चारण स्थान पर आने वाले वर्णों को कोमल तालव्य व कठोर तालव्य के रूप में दो भागों में विभाजित किया गया है
- वर्त्स वर्णों में न, ल, स को शामिल किया गया है इनकी कुल संख्या 4 होती है
  1. जिह्वा
  2. अधरोष्ठ (नीचे का होठ)
  3. स्वर तंत्रियाँ
  4. कोमल तालु

- काकल वर्ण के अंतर्गत विसर्ग (ः) को शामिल किया गया है
- **रकार / रेफ या र सम्बंधित नियम**
  - (i) **नियम 1:** यदि र के बाद व्यंजन आए तो र को उसी व्यंजन वर्ण के के उपर लिखते हैं अर्थात् जिस व्यंजन वर्ण से पहले र का उच्चारण किया जाता है, र को उसी व्यंजनवर्ण के ऊपर लिखा जाता है जैसे – कर्म, धर्म, स्वर्ग, पुनर्जन्म आदि
  - (ii) **नियम 2:** यदि र से पहले व्यंजन वर्ण आये तो र को उसी व्यंजन वर्ण के मध्य में लिखा जाता है जैसे – प्रकाश, भ्रष्ट, प्रभात, प्रेम, क्रम आदि
- **उत्क्षिप्त वर्ण का नियम**
  - ✓ **नियम 1 :** यदि शब्द की शुरुआत उत्क्षिप्त वर्णों से हो तो लिखते समय इनके नीचे बिंदु नहीं आती है जैसे – डमरू, ढोलक, डलिया आदि
  - ✓ **नियम 2:** यदि शब्द के अंतर्गत इनसे पहले आधा वर्ण आता है तो भी लिखते समय इनके नीचे बिंदु नहीं आती है जैसे – पण्डित, बुढ़ा, खण्ड, मण्डल आदि
- नोट – उपर्युक्त दोनों नियमों के अलावा प्रत्येक स्थिति में इनके नीचे बिंदु आती है जैसे – लड़ाई, सड़क, पकड़ना, पढ़ाई आदि



- किसी भी भाषा में शब्दों की ध्वनियों को जिस क्रम और जिस रूप से उच्चारित किया जाता है, उसी क्रम और उसी रूप से लेखन की रीति को वर्तनी कहते हैं।
- शब्दों को सही और मानक ढंग से लिखने की प्रक्रिया ही वर्तनी कहलाती है।
- किसी भी भाषा की समस्त ध्वनियों को सही ढंग से उच्चारित करने के लिए वर्तनी एकरूपता स्थिर की जाती है। वर्तनी का सीधा संबंध भाषा गत ध्वनियों के उच्चारण से है। शुद्ध वर्तनी के लिए शुद्ध उच्चारण भी आवश्यक है।

### हिन्दी वर्तनी का मानकीकरण :

#### 1. संयुक्त वर्ण :

- ✓ खड़ी पाई वाले व्यंजन - खड़ी पाई वाले व्यंजनों का संयुक्त रूप खड़ी पाई को हटाकर ही बनाया जाना चाहिए।
- ✓ यथा; ख्याति, लग्न, विघ्न, कच्चा, छज्जा, नगण्य, कुत्ता, पथ्य, ध्वनि, न्यास, प्यास, डिब्बा, सभ्य, रम्य, उल्लेख, व्यास, श्लोक, राष्ट्रीय, यक्ष्मा आदि।

#### 2. विभक्ति चिह्न :

- ✓ हिन्दी के विभक्ति चिह्न सभी प्रकार के संज्ञा शब्दों में प्रातिपदिक से पृथक् लिखे जाए।  
जैसे - राम ने, राम को, राम से आदि तथा स्त्री ने, स्त्री को, स्त्री से आदि।
- ✓ सर्वनाम शब्दों में ये चिह्न प्रातिपदिक के साथ मिलाकर लिखे जाये।  
जैसे - उसने, उसको, उससे।
- ✓ सर्वनाम के साथ यदि दो विभक्ति चिह्न हों तो उनमें से पहला मिलाकर और दूसरा पृथक् लिखा जाये।  
जैसे - उसके लिए, इसमें से।

3. क्रिया पद : संयुक्त क्रियाओं में सभी अंगी भूत क्रियाएँ पृथक् - पृथक् लिखी जाए।

जैसे - पढ़ा करता है, बढ़ते चले जा रहे हैं, आ सकता है, खाया करता है, खेला करेगा, घूमता रहेगा आदि।

4. संयोजक चिह्न: (हाइफन) संयोजक चिह्न का विधान अर्थ की स्पष्टता के लिए किया गया है। यथा -

✓ द्वन्द्व समास में पदों के बीच संयोजक चिह्न रखा जाए।  
जैसे : दिन-रात, देख-रेख, चाल-चलन, हँसी-मजाक, लेन-देन, शिव-पार्वती-संवाद, खाना-पीना, खेलना-कूदना।

✓ 'सा', 'जैसा' आदि से पूर्व संयोजक चिह्न रखा जाए।  
जैसे : तुम-सा, मोटा-सा, कौन-सा, कपिल-जैसा, चाकू से तीखे।

✓ तत्पुरुष समास में संयोजक चिह्न का प्रयोग वहीं किया जाए, जहाँ उसके बिना अर्थ के स्तर पर भ्रम होने की संभावना हो, अन्यथा नहीं;  
जैसे : भू-तत्त्व (पृथ्वी तत्त्व)। संयोजक चिह्न न लगाने पर भूतत्त्व लिखा जाएगा और इसका अर्थ भूत होने का भाव भी लगाया जा सकता है।

✓ सामान्यतः तत्पुरुष समास में संयोजक चिह्न लगाने की आवश्यकता नहीं है, अतः शब्दों को मिलाकर ही लिखा जाए,  
जैसे: रामराज्य, राजकुमार, गंगाजल, ग्रामवासी, आत्महत्या आदि। किन्तु अ-नख (बिना नख का), अनति (नम्रता का अभाव) अ-परस (जिसे किसी ने छुआ न हो) आदि शब्दों में संयोजक चिह्न लगाया जाना चाहिए अन्यथा अनख, अनति, अपरस शब्द बन जाएँगे।

5. अव्यय: तक, साथ आदि अव्यय सदा पृथक् लिखे जायें।

जैसे - आपके साथ, यहाँ तक।

## वर्तनी संबंधी अशुद्धियाँ

मात्रा सम्बन्धी अशुद्धियाँ व उनके शुद्ध रूप			
अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध
(अं)			
अंगूर	अंगूर	अन्श	अंश
अंलकार	अलंकार	कन्ठ	कंठ/कण्ठ
अन्जलि	अंजलि	कन्धा	कंधा
(अ)			
आधीन	अधीन	बांगला	बाँगला
आधिकारी	अधिकारी	हस्पताल	अस्पताल
आनाधिकार	अनधिकार	बारात	बरात
आविस्मरणीय	अविस्मरणीय	आलावा	अलावा
(आ)			
अगामी	आगामी	चहिए	चाहिए
अजमाइश	आजमाइश	तत्कालिक	तात्कालिक
अहार	आहार	तलाव	तालाब
अशीर्वाद	आशीर्वाद	नदान	नादान
अवश्यकता	आवश्यकता	रमायण	रामायण
अकाश	आकाश	नराज	नाराज
अन्त्यक्षरी	अन्त्याक्षरी	ललायित	लालायित
नरायण	नारायण	परलौकिक	पारलौकिक
भगीरथी	भागीरथी	व्यवहारिक	व्यावहारिक
मतन्तर	मतान्तर	व्यवसायिक	व्यावसायिक
चहरदीवारी	चहारदीवारी	संसारिक	सांसारिक
जमाता	जामाता	कल्यण	कल्याण
(इ)			
अतिथी	अतिथि	प्रतीज्ञा	प्रतिज्ञा
अभीनेता	अभिनेता	ब्रिटीश	ब्रिटिश
अभीमान	अभिमान	अशुद्धी	अशुद्धि
परिणती	परिणति	स्थायीत्व	स्थायित्व
बहीरंग	बहिरंग	पतीव्रता	पतिव्रता
अन्तीम	अन्तिम	कवीता	कविता
तिथी	तिथि	उत्पत्ती	उत्पत्ति
जलांजली	जलांजलि	विद्यार्थियों	विद्यार्थियों
वाल्मीकी	वाल्मीकि	नीती	नीति
परीचय	परिचय	कालीदास	कालिदास
समिती	समिति	अनीवार्य	अनिवार्य

अभीलाषा	अभिलाषा	आखीर	आखिर
कोशीश	कोशिश	कोटी-कोटी	कोटि-कोटि
क्योंकी	क्योंकि	क्षत्रीय	क्षत्रिय
परीवार	परिवार	पुष्टी	पुष्टि
कृषी	कृषि	पूर्ती	पूर्ति
चरीतार्थ	चरितार्थ	सम्पत्ती	सम्पत्ति
स्थिती	स्थिति		
(उ)			
ऊत्पात	ऊत्पात	ऊत्थान	उत्थान
दूबारा	दूबारा	पूण्य	पुण्य
रेणू	रेणू	ऊपद्रव	उपद्रव
भानू	भानू	गोलामी	गुलामी
हिन्दोस्तान	हिन्दुस्तान	साधूवाद	साधुवाद
(ऊ)			
अनुदित	अनूदित	अनूकुल	अनुकूल
उँचाई	ऊँचाई	कौतुहल	कौतूहल
पुर्व	पूर्व	पुज्य	पूज्य
दुसरा	दूसरा	बुढा	बूढ़ा
हिन्दु	हिन्दू	सिन्दुर	सिन्दूर
('ए' 'ऐ')			
चाहिए	चाहिए	ऐक	एक
ऐकान्त	एकान्त	ऐषणा	एषणा
एसा	ऐसा	एतिहासिक	ऐतिहासिक
ऐकान्तिक	एकान्तिक	एश्वर्य	ऐश्वर्य
('ओ', 'औ')			
सरवर	सरोवर	भूगोलिक	भौगोलिक
अनेको	अनेक	ओलाद	औलाद
मोलवी	मौलवी	प्रत्येकों	प्रत्येक
ओषधालय	औषधालय	ओरत	औरत
(ऋ)			
अनुग्रहीत	अनुगृहीत	क्रित्रिम	कृत्रिम
प्रक्रिति	प्रकृति	प्रथक्	पृथक्
ग्रहीत	गृहीत	पैत्रिक	पैतृक
संग्रहीत	संगृहीत	द्रश्य	दृश्य
पृथा	प्रथा	कृया	क्रिया
तृकोण	त्रिकोण	गृहक	ग्राहक
जाग्रत	जागृत	रिग्वेद	ऋग्वेद

व्यंजन संबंधी अशुद्धियाँ			
अंस	अंश	सीड़ी	सीढ़ी
अबिराम	अभिराम	वीना	वीणा
इष्ठ	इष्ट	परिनाम	परिणाम
परिमान	परिमाण	धोका	धोखा
गनित	गणित	उश्रंखल	उच्छृंखल
खीजना	खीझना	पुन्य	पुण्य
पौदा	पौधा	चिन्ह	चिह्न
सीदा	सीधा	प्रनाली	प्रणाली
गोबी	गोभी	नारायन	नारायण
सदृश्य	सदृश	पिजड़ा	पिंजरा
हल् चिह्न (्) सम्बन्धी अशुद्धियाँ			
अर्थात्	अर्थात्	पश्चात्	पश्चात्
च्युत्	च्युत	अष्टम्	अष्टम
बुद्धिमान	बुद्धिमान्	हनुमान	हनुमान्
भागवत्	भागवत	दशम्	दशम
वणिक	वणिक्	सत्	सत्
विधिवत्	विधिवत्	शक्तिमान	शक्तिमान्
श्रीमान	श्रीमान्	परिषद्	परिषद्
विद्वान	विद्वान्	श्रद्धावान	श्रद्धावान्
पंचम्	पंचम	प्राचीनतम्	प्राचीनतम

### ‘ण’ व ‘न’ की अशुद्धियाँ

- 'ण' सामान्यतः संस्कृत शब्दों में प्रयोग किया जाता है। जिन तत्सम शब्दों में 'ण' होता है, उनके तद्भव रूप में 'ण' के स्थान पर 'न' प्रयुक्त होता है।
  - ✓ जैसे: रण-रन, फण-फन, कण-कन, विष्णु-विष्नु।
- पंजाबी और राजस्थानी भाषा में सामान्यतया 'ण' ही बोला जाता है।
- किसी एक ही पद में यदि ऋ, ए और ष के बाद 'न्' हो तो 'नू' के स्थान पर 'ण' हो जाता है, भले ही इनके बीच कोई स्वर, यू, वू, ह, क वर्ग, प वर्ग का वर्ण तथा अनुस्वार आया हो।
  - ✓ जैसे: ऋण, कृष्ण, विष्णु, भूषण, ऊष्ण, रामायण, श्रवण इत्यादि।
- किन्तु, यदि इनसे कोई भिन्न वर्ण आये तो 'न' का 'ण' नहीं होता है।
  - ✓ जैसे: अर्चना, मूर्छना, रचना, प्रार्थना।

### 'ब' और 'व' की अशुद्धियाँ

- 'ब' और 'व' के प्रयोग में हिन्दी में प्रायः अशुद्धियाँ होती हैं। इन अशुद्धियों का कारण है, अशुद्ध उच्चारण।
- शुद्ध उच्चारण के आधार पर ही 'ब' और 'व' में भेद किया जाता है।
- 'ब' के उच्चारण में दोनों होंठ जुड़ जाते हैं पर 'व' के उच्चारण में निचला होंठ ऊपर वाले दाँतों के अगले हिस्से के निकट चला जाता है और दोनों होंठों का आकार गोल हो जाता है, वे मिलते नहीं हैं।
- ठेठ हिन्दी में 'ब' वाले शब्दों की संख्या अधिक है, 'व' वालों की कम।
- ठीक इसके विपरीत संस्कृत में है अर्थात् संस्कृत में 'व' वाले शब्दों की संख्या अधिक है। संस्कृत से अनेक शब्द हिन्दी ने ग्रहण किए हैं।
- प्रायः 'व' का 'ब' होने पर या 'व' का 'व' होने पर अर्थ बदल जाता है,
  - ✓ जैसे: वहन-वहन, शव-शव, वाए-वाए, रव-रव, वली-बली, वाद-वाद, वात-वात।

अशुद्ध	शुद्ध
बिकार	विकार
बास्तव में	वास्तव में
बाणी	वाणी
बिकास	विकास
बिद्यालय	विद्यालय

### 'छ' और 'क्ष' की अशुद्धियाँ

- 'छ' एक स्वतंत्र व्यंजन है, तो 'क्ष' संयुक्त व्यंजन है। यह क् और ष् के मेल से बना है। 'क्ष' संस्कृत में अधिक प्रयुक्त होता है।

अशुद्ध	शुद्ध
छमा	क्षमा
छेत्र	क्षेत्र
छोभ	क्षोभ
छत्रिय	क्षत्रिय

### 'श', 'ष' और 'स' की अशुद्धियाँ

- 'श', 'ष' और 'स' भिन्न-भिन्न अक्षर हैं। इन तीनों की उच्चारण प्रक्रिया अलग-अलग है। उच्चारण-दोष के कारण ही वर्तनी अशुद्धियाँ होती हैं। इनके उच्चारण में निम्नांकित बातों की सावधानी रखी जानी आवश्यक है-
- (क) 'ष' केवल संस्कृत शब्द में आता है, जैसे-उकषा, सन्तोष, भाषा, गन्वेषण, आदि।
- (ख) जिन संस्कृत शब्दों की मूल धातु में 'ष' होता है, उनसे बने शब्दों में भी 'ष' रहता है, जैसे-'शिष्' धातु से शिष्य, शिष्ट, शेष आदि।
- (ग) सन्धि करने में क, ख, ट, ठ, प, फ के पूर्व आया हुआ विसर्ग (:) हमेशा 'ष' हो जाता है।
- (घ) यदि किसी शब्द में 'स' हो और उसके पूर्व 'अ' या 'आ' के सिवा कोई भिन्न स्वर हो तो 'स' के स्थान पर 'ष' होता है।
- (ङ) ट वर्ग के पूर्व केवल 'ष' आता है, जैसे-षोडश, षडानन, कष्ट, नष्ट, भ्रष्ट।

- (च) ऋ के बाद प्रायः 'ष' ही आता है, जैसे- ऋषि, कृषि, वृष्टि, तृषा ।
- (छ) संस्कृत शब्दों में च, छ के पूर्व 'श' ही आता है, जैसे- निश्चय, निश्छल ।
- (ज) जहाँ 'श' और 'स' एक साथ प्रयुक्त होते हैं वहाँ 'श' पहले आता है, जैसे-शासन, शासक, प्रशंसा, नृशंस।
- (झ) जहाँ 'श' और 'ष' एक साथ आते हैं, वहाँ 'श' के पश्चात् 'ष' आता है, जैसे-शोषण, शीर्षक, शेष, विशेष इत्यादि ।
- (ञ) उपसर्ग के रूप में निः, वि आदि आने पर मूल शब्द का 'स' पूर्ववत् बना रहता है, जैसे-निःसंशय, निःसन्देह, विस्तृत, विस्तार।
- (ट) यदि तत्सम शब्द 'श' हो, तो उसके तद्भव में 'स' होता है, जैसे-शूली-सूली, शाक-साग, शूअर-सूअर, श्वसुर-ससुर, श्यामल-साँवला ।
- (ठ) कभी-कभी 'स्' के स्थान पर 'स' होने पर और कभी शब्द के आरंभ में 'स्' के साथ किसी अक्षर का मेल होने पर अशुद्धियाँ होती हैं, जैसे- स्त्री (शुद्ध) - इस्त्री (अशुद्ध), स्नाभ(शुद्ध) अस्नान (अशुद्ध), परस्पर (शुद्ध) - परसपर (अशुद्ध) ।
- (ड) कुछ शब्दों के रूप वैकल्पिक होते हैं, जैसे- कोश, कोष, केशर-केसर, कौशल्या-कौसल्या, केशरी-केसरी, भाशा-भाषा, वशिष्ठ-वसिष्ठ। ये दोनों रूप शुद्ध हैं।

### अनुनासिकता, अनुस्वार सम्बन्धित अशुद्धियाँ

- अनुस्वार व अनुनासिकता दोनों ही नासिक्य ध्वनि को दर्शाते हैं, अनुस्वार में बिंदु का तथा अनुनासिकता में चन्द्रबिन्दु का प्रयोग किया जाता है।

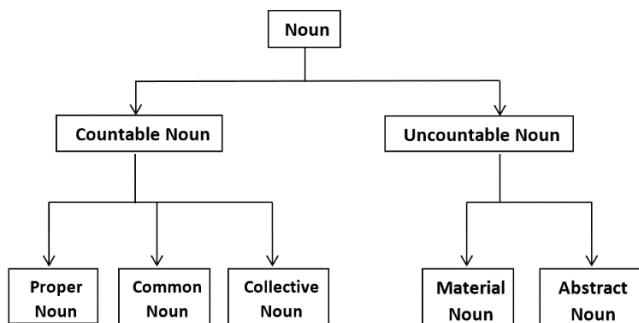
अशुद्ध	शुद्ध
गांधी	गाँधी
सम्बंध	संबंध
हंसी	हँसी

# 23 CHAPTER

## Noun

A noun is a name of person, place, thing, idea, action, a quantity.

### 1. Types –



(1) **Proper noun** – Denotes a particular person, place or thing.

**Ex.** Akshay, Pooja, Ankita etc.

(2) **Common noun** – Is the name given in common to every person or thing of the same class or kind.

**Ex:** Boy, girl, company etc.

(3) **Collective noun** – Denotes a group or collective of similar individuals considered as one complete whole.

**Ex:** Class, Staff, Army, Parliament etc.

(4) **Material noun** – Denotes matter or substance of which a thing is made of.

**Ex:** Iron, gold, silver etc.

(5) **Abstract noun** – Is usually the name of a quality, action or state considered apart from the object to which it belongs.

**Ex:** Virtue, darkness, kindness, happiness etc.

### 2. Some other types according to number -

(1) **Singular noun** – Boy, girl, man, car etc.

(2) **Plural noun** – Boys, girls, men, cars etc.

(3) **Countable nouns** – Are the names of objects, people etc. that we can count.

**Ex:** Book, doctor, horse, apple etc.

(4) **Uncountable nouns** – Are the names of things which we can't count.

They mainly denotes substance and abstract things.

**Ex:** Milk, Oil, Sugar, Gold, Honesty etc.

### 3. Noun and the Numbers :-

Singular noun ending	Plural noun ending	Singular	Plural
-s, -ss, -ch, -x, -zz	-es	Man	Men
<b>Ex.</b> Focus	Focuses	Woman	Women
Princess	Princesses	Mouse	Mice
Box	Boxes	Fish	Fish or Fishes
Buzz	Buzzes	A sheep	Ten sheep
-o	-s or -es	Child	Children
<b>Ex.</b> Hero	Heroes	Ox	Oxen

Piano	Pianos	A woman doctor	Several women doctors
Potato	Potatoes	A bookcase	Two bookcase
Consonant +y	-ies	An Indian take away	Two Indian take away
Baby	Babies	A passer by	Several passers by
Hobby	Hobbies	Glassful	Glassfuls
Vowel +y	-s	Spoonful	Spoonfuls
Key	keys		
Ray	rays		
-f	-s or -ves		
<b>Ex.</b> Hoof	Hoofs or hooves		
Dwarf	Dwarfs or dwarves		
Thief	Thieves		
Roof	Roofs		
-fe	-ves		
Knife	Knives		
Life	Lives		
On	a	<b>Ex.</b>	
Phenomenon	Phenomena	Since I had never seen a falling star, seeing one on my honeymoon was real phenomena. (Use Phenomenon in place of Phenomena)	
Criterion	Criteria	As we all know sunrise is a great phenomena. (✗) a great Phenomenon (✓)	

**(a) Is (Singular) – es (Plural) -**

Singular (is)	Plural (es)
Analysis	Analyses
Diagnosis	Diagnoses
Casis	Cases
Thesis	Theses
Crisis	Crises

**(b) US (singular) – I (plural)**

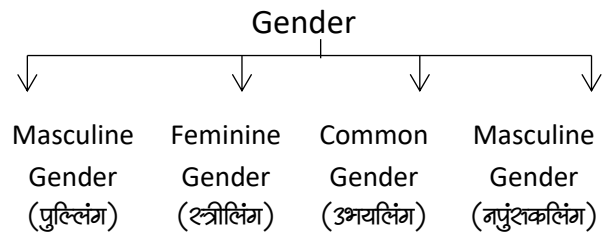
Cactus	-	Cacti
Focus	-	Foci
Fungus	-	Fungi

Nucleus	-	Nuclei
Syllabus	-	Syllabi, Syllabuses
Radius	-	Radii

**4. Some nouns that have different meaning in singular and plural form**

Singular	Plural
Force (physics term)	Forces (soldier)
Air	Airs (false way of behaving)

Return	Returns (calculation of income)
Iron	Irons (shackles)
Sand	Sands (desert)
Abuse	Abuses (evil words)
Good	Goods (moveable property)
Water	Waters (sea)
Work	Works (literary pieces)
Fruit	Fruits (result)
Wit	Wits (intelligent)



### 5. Noun and the Gender -

Gender - The Noun which denotes male or female sex is called gender.

Such as – Horse  
Dog  
Ox  
Father  
Mare  
Bitch  
Cow  
Mother

} To denote male sex

} To denote female sex

- (1) **Masculine Gender** - The noun which denotes male sex is called Masculine Gender.  
**Ex.** Boy, Father, Brother, etc.
- (2) **Feminine Gender** - The noun which denotes female sex is called Feminine Gender.  
**Ex.** Girl, Mother, sister etc.
- (3) **Common Gender** - The noun which does not specify the sex but only indicate a living thing is called Common Gender.  
**Ex.** Baby, Student, Professor etc.
- (4) **Neuter Gender** - The noun which denotes a non-living object or thing with life is called Neuter Gender.  
**Ex.** Tree, inkpot, pen, table etc.

Masculine words	Feminine words	Masculine words	Feminine words
Nephew	Niece	Husband	Wife
Man	Woman	uncle	Aunt
Brother	Daughter	Sir	Madam
Bachelor	Spinster	Bridegroom	Bride
Bull	Cow	Author	Authoress
Cock	Hen	Count	Countess
Grand-Father	Grand-Mother	Land-lord	Land-Lady
Brother-in-law	Sister-in-law	Son-in-law	Daughter-in-law
Director	Directress	Votary	Votaress
Boyfriend	Girlfriend	Chairman	Chair woman

## 6. Some important Rules of Gender

### Rule - 1

There are some nouns which are used to denote beauty, gracefulness, gentleness etc. In this condition, they are considered as feminine gender and it is used as singular pronoun she, her, hers, herself etc, according to the need.

#### Like as -

The moon, The Earth, Nature, flattery, Spring, hope, virtue, charity, humility, mercy, faith, peace, ship, river, nation, jealousy, liberty, fame, city, country, car, modesty, train, pride, truth, justice etc.

#### Ex.

- (i) The moon shed her light on the bank. (✓)  
The moon shed its light on the bank. (✗)
- (ii) Spring has her own charms and delights. (✓)  
Spring has its own charms and delights. (✗)

### Rule - 2

If girl/woman/lady/ female, are used before the common gender nouns, then we used singular pronoun of feminine gender she, her, hers, herself according to use.

#### Like as -

Girl-Friend, Girl-student, Female-child, woman-teacher, woman-doctor, woman-conductor etc.

#### Ex.

- (i) A girl student should not neglect her home. (✓)  
A girl student should not neglect his/its home. (✗)
- (ii) A woman-doctor examines the patient herself. (✓)  
A woman-doctor examines the patient himself/itself. (✗)

### Rule - 3

There are some nouns which are used to denote strength, firmness, energy etc. In this condition, they are considered as masculine gender and it is used as singular pronoun - he, him, his, himself according to the need.

#### Like as -

The sun, time, death, winter, wind, summer, thunder, Dear, love, war, wine etc.

#### Ex.

- (i) The sun shot his bright rays. (✓)  
The sun shot her bright rays. (✗)
- (ii) Death always knows his victim. (✓)  
Death always knows her victim. (✗)

### Rule - 4

There are some nouns of masculine gender which is also used as an adjective for a woman.

#### Ex:

- (i) Veena is a lover of fine arts.  
(ii) She is a master of English.

### Rule - 5

Each, every, either, neither etc. words are used as distributive pronoun or adjectives. They are pronouns of common gender, It is generally used singular pronouns - he, him, his, himself of masculine gender. but when female gender it known, the singular pronoun - She, her, hers, herself of feminine gender is used.

#### Ex.

- (i) Every student should do his duty. (✓)  
Every student should do its duty. (✗)
- (ii) Each of us had finished his work. (✓)  
Each of us has finished its work. (✗)

### Rule - 6

Everything, something, anything and nothing are used as indefinite pronouns in sentence, It is called neuter gender pronouns for these, singular pronouns- it, its, itself of neuter gender are used.

**Ex.**

- (i) Everything should be kept in its order. (✓)  
 Everything should be kept in his order. (×)

**Rule - 7**

For lower animals and non-living things, we used pronouns (it, its, itself) of neuter gender.

**Ex.**

- (i) He has killed a snake, it is still lying on the road. (✓)  
 He has killed a snake, he is still lying on the road. (×)
- (ii) We cannot write with this pen because its nib is broken. (✓)  
 We cannot write with this pen because his nib is broken. (×)

**Rule - 8**

Collective nouns, jury ..... crow etc. words are denoted the sense of group. It is considered as neuter gender - for these, pronouns (it, its, itself) of neuter gender are used.

**Ex.**

- (i) The committee will submit its report within six months. (✓)  
 The committee will submit their report within six months. (×)
- (ii) The team has declared that it will win the match. (✓)  
 The team has declared that they will win the match. (×)

But the above collective nouns make sense of 'each member' then plural pronoun - they, them, their, theirs, them selves are used for this.

**Ex.**

- (i) The committee have met and they have rejected the proposal. (✓)  
 The committee have met and it has rejected the proposal. (×)

**Rule - 9**

There are some nouns that are used as common gender nouns.

**Like as -**

Advocate, assistant, cousin, clerk, client, criminal, cyclist, dancer, dealer, doctor, novelist, professor, pupil, secretary, singer, worker, writer, teacher, politician, servant, friend, fool, engineer, helper ... etc.

They are used as masculine and feminine gender according to the need.

Masculine	Feminine
He is my doctor.	She is my doctor.
He is a teacher.	She is a teacher.

**7. Important Rules -**

**Rule 1 -** We always use singular verb with uncountable nouns.

- Plural of these words does not exist.
- Some examples of uncountable nouns are –

**Rule 2 –** Certain noun exist in plural forms

Machinery	Scenery	Information	Luggage
Advice	Poetry	Evidence	Help
Furniture	Bread	Wood	Fuel
Hair	Crockery	Cash	Money

only. Thus 's' cannot be removed from such nouns.

- They take plural verb form.

**Like as -**

Scissors	Jeans	Tweezers	Shorts
Spectacles	Remains	Congratulations	Pliers
Binoculars	Pajamas	Pants	

**Ex.**

- (i) Where are my pants ? (Plural)  
 (ii) Where are the tongs ? (Plural)

**Rule 3 –** There are some nouns that indicate – length, measure, money, weight or number. When they are preceded by numeral, they remain unchanged in form.

**Like as -**

Foot, meter, pair, score, dozen, head, year, hundred, thousand, million, billion, trillion.

(1) If there is a number before them, then 'S' will not be used.

**Ex.**

- (i) Three dozens pencils. (X)  
Three dozen pencils. (✓)

(2) If 'of' after them than use 'S'.

**Ex.**

- (i) Thousand of people died of cholera last year. (X)  
Thousands of people died of cholera last year. (✓)

- (ii) I have seven dozens of shoes. (X)  
I have seven dozen of shoes. (✓)

**Rule 4** – Some nouns are singular in meaning, but they are used as plural nouns and always take a plural verb.

**Like as -**

cattle, gentry, vermin, peasantry, artillery, people, company, police

**Ex.**

- (i) The cattle is grazing in the ground. (X)  
The cattle are grazing in the ground. (✓)
- (ii) Police has controlled the situation. (X)  
Police have controlled the situation. (✓)

**Rule 5** – Some nouns like – mathematics, physics, dynamics, ethics, linguistics, meta physics, optics, economics, news, politics, mumps, measles, rickets, athletics, mechanics etc. are in plural forms but used as a singular noun.

**Ex.**

- (i) Mathematics is the science of quantity.  
(ii) Bad news travels fast.

**Rule 6** – If the same noun is repeated after preposition, the noun will be singular.  
noun (s) + preposition + noun (s)

**Ex.**

- (i) Town after town were devastated. (X)  
Town after town was devastated. (✓)
- (ii) Row upon row of pink marble look beautiful. (X)  
Row upon row of pink marble looks beautiful. (✓)

**Rule 7** – If a numeral adjective and a fraction are used with a noun, the noun is used with the numeral and the noun will be in singular.

**Ex.**

- (i) She gives me one (Numeral Adj.) and a half (Fraction) rupee. (Noun) (X)
- (ii) She gave me one rupee and a half. (✓)
- (iii) He gave me two and a quarter rupee. (Incorrect) (X)  
He gave me two rupees and a quarter. (✓)

**Rule 8** – Don't say "family members / cousin brother or "cousin sister".

**Ex.**

- (i) The members of the family. (✓)
- (ii) He or she is my cousin. (✓)
- (iii) He is my english teacher. (✓)

**Rule 9** - Certain nouns/words are used in colloquial english which is wrong, some of them are following :-

Wrong	Correct
Cousin brother/cousin sister	Cousin
Pick pocketeer	Pick pocket
Good name	Name
Big blunder	Blunder (means a big mistake)
Strong breeze	Strong wind
Bad dream	Nightmare
Proudy	Proud
According to me	In my opinion

## 8. Grammar Rules for Possessive Nouns

### Rule 1

Making singular nouns possessive – Add an apostrophe ('s)

**Ex.**

- (i) Kitten's toy, Joe's car, James's book/  
James's (Singular noun)
- (ii) Women's dresses, sheep's pasture in 'S'. (Plural not ending)

**Rule 2**

Making plural nouns possessive – Add just an apostrophe to plural nouns that already end in 'S'.

**Ex.**

- (i) The companies' workers went on strike together.
- (ii) You need to clean out the house's stalls.

**Rule 3**

Making hyphenated nouns and compound nouns plural –

**Ex.**

- (i) My mother-in-law's recipe for meatloaf is my husband's favorite.
- (ii) The United States post office's stamps are available in rolls or pockets.

**Rule 4**

(1) Possessives: Joint or separate ownership –

**Ex.**

- (i) The administrative assistant completed Arvind's and Rohit's report.
- (ii) We are planning to attend Sam and Teresa's retirement party.  
(One party is being held to celebrate both people's retirement, so the party "belongs" to speak to them jointly.)

(2) We use 's with living things –

- Mohit's Car
- Priya's watch
- The bag of Mohan

(3) We don't use 's with –

- Nonliving thing
- Table's leg (X)
- Leg of the Table (✓)

**Rule 5**

When two nouns are in apposition, the possessive sign ('s) is added to the latter only.

**Ex.**

- (i) I am going to Ram Lal's, my friend's village. (X)

I am going to Ram Lal, my friend's village. (✓)

**Rule 6**

The double possessive should not be used –

**Ex.**

- (i) Ram's sister's marriage is on 2<sup>nd</sup> November. (X)  
The marriage of Ram's sister on 2<sup>nd</sup> Nov. (✓)
- (ii) The President's brother's wife died yesterday. (X)  
The wife of President's brother died yesterday. (✓)

**Rule 7**

Possessive sign is also used with the following pronouns –

Anyone	Anybody	Nobody
Somebody	No one	Each other
Everyone	Everybody	
One another	Someone	

**Ex.**

- (i) The student should follow the suggestions of their teacher and not somebody else. (X)  
The student should follow the suggestions of their teacher and not somebody else's (✓)

**Rule 8**

When the two nouns are used after one of the possession or ownership is not shown by possessive sign ('s) but it is shown by proposition of –

**Ex.**

- (i) One of my friend's wife was killed in an accident. (X)  
The wife or one of my friends was killed in an accident. (✓)

## Exercise

1. Though we have reached at the high (A)/ level of progress in the field (B)/ of medicines, many(C)/ million of period of malaria (D).
2. We have visited many (A)/ firms this year but only one of them is (B)/ suitable for our work, which you admire (C)/ is Naman's, Shivam's and Rohan's(D).
3. The employees greeted the (A)/ manager and his husband with charming (B)/ smile so as to try to make (C)/ the condition less vulnerable (D).
4. The economics of the project makes it (A)/ impossible to the experience (B)/ of great opportunities which can achieves the (C)/ world class performance in the reported approach (D).
5. When our beloved teachers and seniors (A)/ came across to me, we caught one (B)/ another hands and talked for (C)/ many hours after a very long time (D).
6. After a complaint was filled (A)/ the police teams was given the photograph (B)/ of the accused from (C)/ the CCTV footage recorded at the hotel (D).
7. This company cannot work properly (A)/ because it never recruits any talented (B)/ sale representative the most (C)/ important pillar in making profits in the market (D).
8. My parents stop my brother-in-law (A)/ going out late at night because (B)/ the situations are not so (C)/ much good in this area now-a-days (D).
9. My sister(a)/ has read (b)/ pages after pages of the bible (c)/ No error (d).
10. The manager put forward (a)/ a number of criterions (b)/ for the post (c)/ no error (d).
11. I like (a)/ the poetries (b)/ of Byron and Shelley(c)/ No error (d).
12. The driver showed (a)/ great talent in keeping (b)/ the damaged car under control (c)/ no error (d).
13. When I entered the bedroom (a)/ I saw a snake crawling (b)/ on the ground (c)/ no error (d).
14. It is very difficult (a)/ to chase (b)/ a huge score in the (c)/ fourth inning (d)/ no error (e).
15. It is a big blunder (a)/ but we had (b)/ to ignore it (c).

## Answers

1. (d) use millions instead of million
2. (d) use Naman, Shivam and Rohan's instead of 'Naman's, Shivam's and Rohan's.
3. (b) her husband
4. (a) Make
5. (c) another's hands
6. (b) team
7. (c) sales representative
8. (a) use 'brother-in-law's' instead of 'brother-in-law'
9. (c) page after page
10. (b) criteria is plural of 'criterion'
11. (b) poetry (uncountable noun), hence it is singular and it does not have any plural form.
12. (b) Use 'Skill' instead of talent.
13. (c) Use 'Floor' instead of ground.
14. (d) Use 'Innings' instead of inning.
15. (a) Blunder means big mistake. Hence big blunder is superfluous.